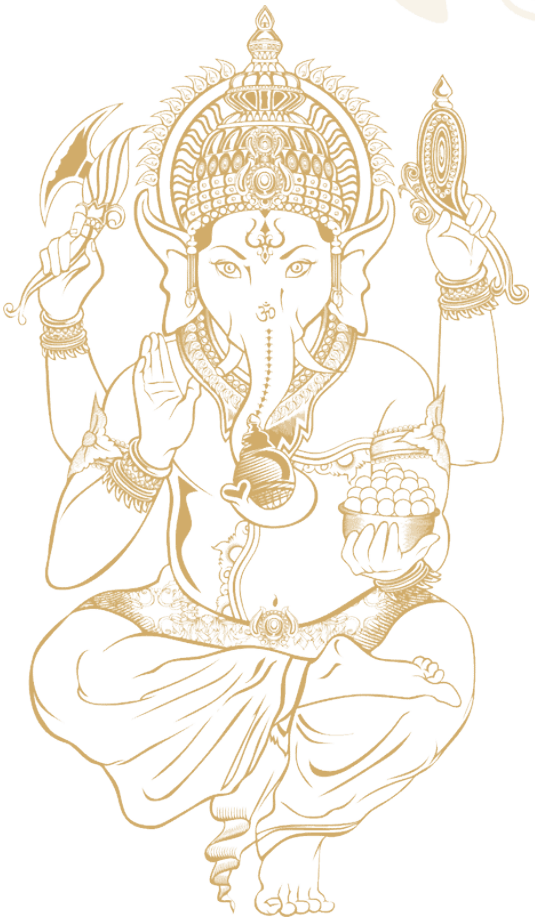

Mr.

09 Jun 2025

12:10 PM

Sarnath

Model: web-freekundliweb

Order No: 121858507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/06/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:10:00 घंटे**
इष्ट	17:37:50 घटी
स्थान	**Sarnath**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:23:00 उत्तर
रेखांश	83:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:12:08 घंटे
वेलान्तर	00:00:43 घंटे
साम्पातिक काल	05:23:42 घंटे
सूर्योदय	05:06:51 घंटे
सूर्यास्त	18:47:30 घंटे
दिनमान	13:40:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:29:00 वृष
लग्न के अंश	27:35:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:35:19	325:45:23	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			वृष	24:29:00	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	01:39:34	11:58:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			सिंह	01:18:59	00:32:49	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	06:26:11	02:01:03	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	05:39:06	00:13:36	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	08:52:12	01:00:31	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			मीन	06:46:27	00:03:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	29:18:04	00:11:36	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	29:18:04	00:11:36	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:21:48	00:03:20	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:47:03	00:00:50	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:19:32	00:00:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	27:27:00	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:46

लग्न-चलित

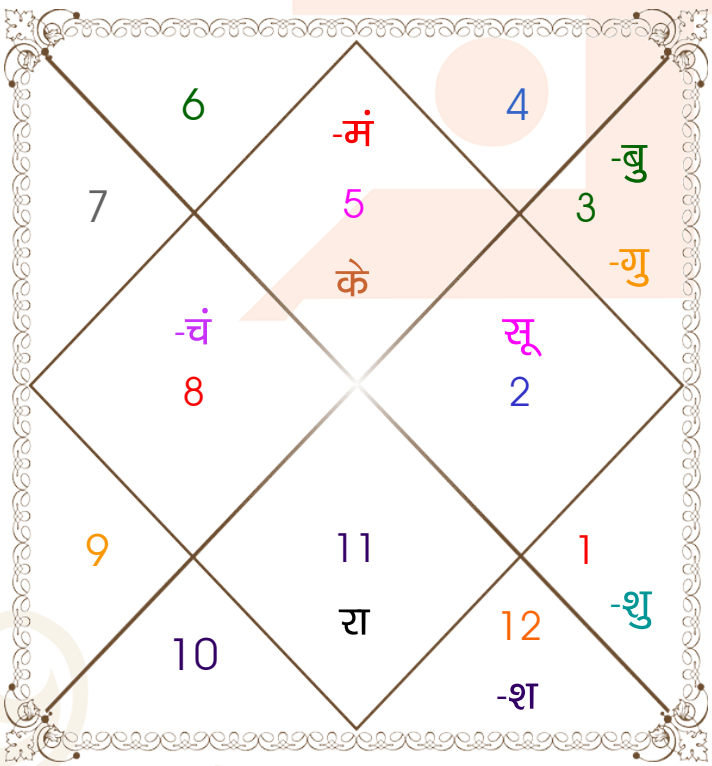

चन्द्र कुंडली

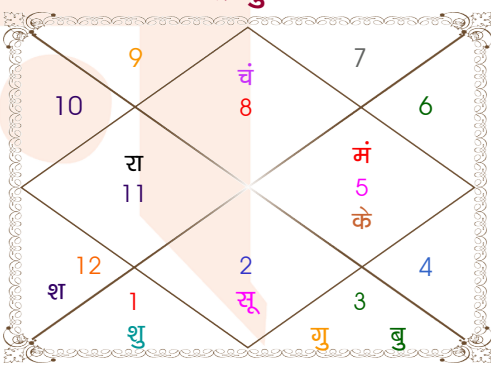

नवमांश कुंडली

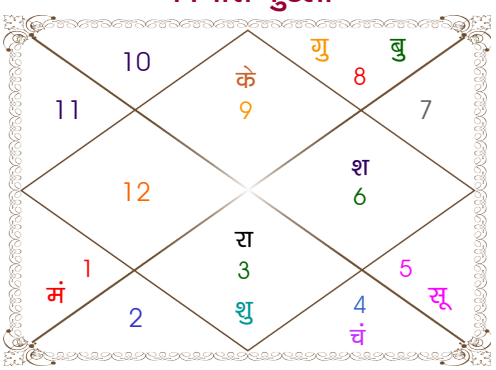

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 0 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/06/2025		13/06/2027		12/06/2046		13/06/2063		12/06/2070	
13/06/2027		12/06/2046		13/06/2063		12/06/2070		12/06/2090	
	00/00/0000	शनि	15/06/2030	बुध	08/11/2048	केतु	09/11/2063	शुक्र	12/10/2073
	00/00/0000	बुध	23/02/2033	केतु	05/11/2049	शुक्र	08/01/2065	सूर्य	12/10/2074
	00/00/0000	केतु	03/04/2034	शुक्र	05/09/2052	सूर्य	16/05/2065	चंद्र	12/06/2076
	00/00/0000	शुक्र	03/06/2037	सूर्य	13/07/2053	चंद्र	15/12/2065	मंगल	12/08/2077
	00/00/0000	सूर्य	16/05/2038	चंद्र	12/12/2054	मंगल	13/05/2066	राहु	12/08/2080
	00/00/0000	चंद्र	15/12/2039	मंगल	09/12/2055	राहु	31/05/2067	गुरु	13/04/2083
	00/00/0000	मंगल	23/01/2041	राहु	28/06/2058	गुरु	06/05/2068	शनि	12/06/2086
	09/06/2025	राहु	30/11/2043	गुरु	02/10/2060	शनि	15/06/2069	बुध	12/04/2089
राहु	13/06/2027	गुरु	12/06/2046	शनि	13/06/2063	बुध	12/06/2070	केतु	12/06/2090

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/06/2090		12/06/2096		13/06/2106		13/06/2113		14/06/2131	
12/06/2096		13/06/2106		13/06/2113		14/06/2131		10/06/2145	
सूर्य	30/09/2090	चंद्र	12/04/2097	मंगल	10/11/2106	राहु	24/02/2116	गुरु	01/08/2133
चंद्र	01/04/2091	मंगल	11/11/2097	राहु	28/11/2107	गुरु	20/07/2118	शनि	12/02/2136
मंगल	06/08/2091	राहु	13/05/2099	गुरु	03/11/2108	शनि	26/05/2121	बुध	20/05/2138
राहु	30/06/2092	गुरु	12/09/2100	शनि	13/12/2109	बुध	13/12/2123	केतु	26/04/2139
गुरु	18/04/2093	शनि	13/04/2102	बुध	10/12/2110	केतु	31/12/2124	शुक्र	25/12/2141
शनि	31/03/2094	बुध	13/09/2103	केतु	08/05/2111	शुक्र	01/01/2128	सूर्य	13/10/2142
बुध	05/02/2095	केतु	13/04/2104	शुक्र	07/07/2112	सूर्य	24/11/2128	चंद्र	12/02/2144
केतु	13/06/2095	शुक्र	13/12/2105	सूर्य	12/11/2112	चंद्र	26/05/2130	मंगल	18/01/2145
शुक्र	12/06/2096	सूर्य	13/06/2106	चंद्र	13/06/2113	मंगल	14/06/2131	राहु	10/06/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।